सूचना-पुस्तिका

(विदेश मंत्रालय की वेबसाइट से प्राप्त विवरण के आधार पर)

10वां विश्व हिन्दी सम्मेलन

१० से १२ सितंबर, २०१५ को भोपाल में आयोजित

सूचना पुस्तिका

10वां विश्व हिंदी सम्मेलन, मध्य प्रदेश सरकार की भागीदारी के साथ 10-12 सितंबर, 2015 तक मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में आयोजित किया जा रहा है। 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन को भारत में आयोजित करने का निर्णय सितंबर, 2012 में दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग शहर में आयोजित 9वें विश्व हिंदी सम्मेलन में लिया गया था।

विश्व हिंदी सम्मेलनों की परम्परा 1975 में नागपुर, भारत में आयोजित प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन से शुरू हुई। तब से इन सम्मेलनों ने एक वैश्विक स्वरूप और गति प्राप्त कर ली है। क्रमानुसार नौ विश्व हिंदी सम्मेलन विश्व के विभिन्न शहरों में आयोजित किए जा चुके हैं - वस्तुत: दो बार पोर्ट लुई (मॉरीशस) में, दो बार भारत में, पोर्ट ऑफ स्पेन (ट्रिनिडाड एण्ड टोबेगो), लंदन (यू. के.), पारामारिबो (सूरीनाम), न्यूयार्क (अमरीका) और जोहांसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) में। इन सम्मेलनों ने हमेशा से ही प्रख्यात विद्वानों और हिंदी से स्नेह रखने वाले लोगों को आकर्षित किया है।

विश्व हिन्दी सम्मेलन - पृष्ठभूमि

विश्व हिन्दी सम्मेलन की संकल्पना राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा द्वारा 1973 में की गई थी। संकल्पना के फलस्वरूप, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के तत्वावधान में प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10-12 जनवरी 1975 को नागपुर, भारत में आयोजित किया गया था।

सम्मेलन का उद्देश्य इस विषय पर विचार विमर्श करना था कि तत्कालीन वैश्विक परिस्थिति में हिन्दी किस प्रकार सेवा का साधन बन सकती है, 'महात्मा गांधी जी की सेवा भावना से अनुप्राणित हिन्दी संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रवेश पा कर विश्व भाषा के रूप में समस्त मानव जाति की सेवा की ओर अग्रसर हो। साथ ही यह किस प्रकार भारतीय संस्कृति का मूल मंत्र 'वसुधैव कुटुम्बकम्' विश्व के समक्ष प्रस्तुत करके 'एक विश्व एक मानव परिवार' की भावना का संचार करे।'

सम्मेलन के आयोजकों को विनोबा भावे जी का शुभाशीर्वाद तथा केन्द्र सरकार के साथ-साथ महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, आंध्र प्रदेश, गुजरात आदि राज्य सरकारों का समर्थन प्राप्त हुआ। नागपुर विश्वविद्यालय के प्रांगण में 'विश्व हिन्दी नगर' का निर्माण किया गया। तुलसी, मीरा, सूर, कबीर, नामदेव और रैदास के नाम से अनेक प्रवेश द्वार बनाए गए। प्रतिनिधियों और अतिथियों के आवास का नाम 'विश्व संगम', मित्र निकेतन' 'विद्या विहार' और 'पत्रकार निवास' रखा गया। भोजनालयों के नाम भी 'अन्नपूर्णा', 'आकाश गंगा' आदि रखे गए।

सम्मेलन में काका साहेब कालेलकर ने हिन्दी भाषा के सेवा धर्म को रेखांकित करते हुए कहा कि 'हम सब का धर्म सेवा धर्म है और हिन्दी इस सेवा का माध्यम है..... हमने हिन्दी के माध्यम से आज़ादी से पहले और आज़ाद होने के बाद भी समूचे राष्ट्र की सेवा की है और अब इसी हिन्दी के माध्यम से विश्व की, सारी मानवता की सेवा करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं।'

हिन्दी भाषा की अंतर्निहित शक्ति से प्रेरित हो हमारे देश के नेताओं ने इसे अहिंसा और सत्याग्रह पर आधारित स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान संवाद की भाषा बनाया। यह दिशा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने निर्धारित की, जिसका अनुपालन पूरे देश ने किया। स्वतन्त्रता संग्राम में अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले अधिकांश सेनानी हिन्दीतर प्रदेशों से तथा अन्य भाषा-भाषी थे। इन सभी ने देश को एक सूत्र में बांधने के लिए संपर्क भाषा के रूप में हिन्दी के सामर्थ्य और शक्ति को पहचाना और उसका भरपूर उपयोग किया। हिन्दी को भावनात्मक धरातल से उठाकर ठोस एवं व्यापक स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से और यह रेखांकित करने के उद्देश्य से कि हिन्दी केवल साहित्य की भाषा ही नहीं बल्कि आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को अंगीकार करके अग्रसर होने में एक सक्षम भाषा है, विश्व हिन्दी सम्मेलनों की संकल्पना की गई।

एक अन्य उद्देश्य इसे व्यापकता प्रदान करना था न कि केवल भावनात्मक स्तर तक सीमित करना। इस संकल्पना को 1975 में नागपुर में आयोजित विश्व हिन्दी सम्मेलन में मूर्तरूप दिया गया।

तब से लेकर हिन्दी की यह सदानीरा अपनी वैश्विक यात्रा में अनेक भाषाई कुम्भों की साक्षी रहते हुए अपने अगले, यानि दसवें पड़ाव की ओर निकल पड़ी है। 10वां विश्व हिन्दी सम्मेलन 10-12 सितम्बर 2015 को भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत में आयोजित किया जा रहा है।

अभी तक पूर्व में आयोजित नौ सम्मेलनों के ब्यौरे इस प्रकार हैं :

सं.	सम्मेलन	स्थान	वर्ष
1.	प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन	नागपुर, भारत	10-12 जनवरी,1975
2.	द्वितीय विश्व हिन्दी सम्मेलन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	28-30 अगस्त,1976
3.	तृतीय विश्व हिन्दी सम्मेलन	नई दिल्ली, भारत	28-30 अक्टूबर,1983
4.	चतुर्थ विश्व हिन्दी सम्मेलन	पोर्ट लुई, मॉरीशस	02-04 दिसम्बर,1993
5.	पांचवां विश्व हिन्दी सम्मेलन	पोर्ट ऑफ स्पेन, ट्रिनिडाड एण्ड टोबेगो	04-08 अप्रैल,1996
6.	छठा विश्व हिन्दी सम्मेलन	लंदन, यू. के.	14-18 सितम्बर,1999
7.	सातवां विश्व हिन्दी सम्मेलन	पारामारिबो, सूरीनाम	06-09 जून, 2003
8.	आठवां विश्व हिन्दी सम्मेलन	न्यूयार्क, अमरीका	13-15 जुलाई, 2007
9.	नौवां विश्व हिंदी सम्मेलन	जोहांसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका	22-24 सितंबर, 2012

पूर्व के नौ विश्व हिंदी सम्मेलनों के मुख्य विषय निम्नानुसार थे

1.	पहले से चौथा विश्व हिंदी सम्मेलन	वसुधैव कुटुम्बकम्
2.	पांचवा विश्व हिंदी सम्मेलन	आप्रवासी भारतीय और हिन्दी
3.	छठा विश्व हिंदी सम्मेलन	हिन्दी और भावी पीढ़ी
4.	सातवां विश्व हिंदी सम्मेलन	विश्व हिन्दी – नई शताब्दी की चुनौतियां
5.	आठवां विश्व हिंदी सम्मेलन	विश्व मंच पर हिन्दी
6.	नौवां विश्व हिंदी सम्मेलन	भाषा की अस्मिता और हिंदी का वैश्विक संदर्भ

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में समकालीन मुद्दों और विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, प्रशासन और विदेश नीति, विधि, मीडिया आदि के क्षेत्रों में हिंदी के सामान्य प्रयोग और विस्तार से संबंधित तौर तरीकों पर गंभीर चर्चा होगी। सम्मेलन का मुख्य विषय 'हिंदी जगत : विस्तार एवं सम्भावनाएँ' है। निर्धारित विषयों पर सम्मेलन में समानांतर शैक्षिक सत्र भी चलेंगे।

सम्मेलन के आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श करने के लिए परामर्श, प्रबंधन और कार्यक्रम से संबंधित तीन समितियाँ गठित की गई हैं। परामर्श एवं कार्यक्रम समितियों की अध्यक्ष माननीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज हैं जबकि प्रबंधन समिति के अध्यक्ष माननीय विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) डॉ. वी.के. सिंह हैं।

सम्मेलन का आयोजन स्थल "लाल परेड मैदान", भोपाल है। मध्य प्रदेश राज्य सरकार सम्मेलन की स्थानीय आयोजक है और मध्य प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री, श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य संरक्षक हैं। सम्मेलन के लिए माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल भागीदार संस्था है। 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के लिए विदेश मंत्रालय नोडल मंत्रालय है। मध्य प्रदेश भागीदार राज्य है।

सम्मेलन स्थल पर विशेष प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। प्रदर्शनी स्थल पर, हिन्दी की पुस्तकों के लोकार्पण के लिए अलग से एक स्थान निर्धारित किया जाएगा जहाँ पुस्तकों एवं पत्रिकाओं का लोकार्पण समानांतर रूप से चलता रहेगा।

एक दैनिक सम्मेलन-समाचार पत्र (सम्मेलन समाचार), सम्मेलन-स्मारिका और शैक्षिक सत्रों में हुई चर्चाओं और सुझावों के आधार पर एक सम्मेलन रिपोर्ट भी प्रकाशित की जाएगी। दैनिक सम्मेलन-समाचार का प्रकाशन 'माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय' द्वारा किया जाएगा, जबकि सम्मेलन-रिपोर्ट का प्रकाशन 'महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा' द्वारा किया जाएगा। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा अपने मासिक प्रकाशन 'गगनांचल' का एक विशेष अंक निकाला जाएगा, जो सम्मेलन को समर्पित होगा।

परंपरा के अनुरूप, सम्मेलन के दौरान, भारत एवं अन्य देशों से हिन्दी के विद्वानों को हिन्दी के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के लिए उपयुक्त 'लोगो' के चयन हेतु 50 हजार रुपए की राशि के पुरस्कार के साथ मंत्रालय द्वारा 'लोगो' डिज़ाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। 'लोगो' चयन समिति के सहयोग से सम्मेलन के लिए एक उपयुक्त 'लोगो' का चयन कर लिया गया है।

सम्मेलन के दौरान शाम को संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद द्वारा एक कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं कवि सम्मेलन का समन्वय भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद् द्वारा किया जाएगा।

लोगो संकल्पना

विश्व हिन्दी सम्मेलन सन् 1975 से विश्व के विभिन्न देशों में आयोजित किए जाते रहे हैं। सन् 2015 में 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन 10 से 12 सितम्बर तक भारत में मध्य प्रदेश के भोपाल शहर में होने जा रहा है।

विश्व हिन्दी सम्मेलनों के प्रमुख लक्ष्य- हिन्दी भाषा का प्रचार एवं प्रसार करना, इसे विश्व भाषा के रूप में स्थापित करना, हिन्दी को शिक्षा का अग्रणी एवं महत्वपूर्ण माध्यम बनाना तथा विदेशी और भारतीय मूल के निवासियों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं सृजित साहित्य में हिन्दी भाषा के प्रयोग को बढ़ावा देना।

10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन के प्रतीक चिन्ह अर्थात "लोगो" में इस सम्मेलन के लक्ष्यों और मूल भाव को समाहित किया गया है और इसीलिए यह "लोगो" हिन्दी में बनाया गया है। "लोगो" में दिखाया गया मयूर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है जिसके चमकते अनोखे और अनूठे पंख भारतवर्ष की विविध एवं रंग-बिरंगी परम्पराओं तथा संस्कृति के प्रतीक हैं।

"लोगो" में दिखता अंक "१०" 10वें विश्व हिन्दी सम्मेलन को दर्शाता है। चूंकि यह सम्मेलन 'भोपाल' में होने वाला है, इसलिए अंक "१०" के अंदर समाए ग्लोब में विशिष्ट रूप से भोपाल को दर्शाया गया है।

माननीय विदेश मंत्री, श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा 16 मई, 2015 को जवाहरलाल नेहरू भवन, विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली में वेबसाइट का औपचारिक रूप से लोकार्पण किया गया । "लोगो" डिज़ाइन प्रतियोगिता की विजेता, बंगलुरु की सुश्री ख्याति गुप्ता को माननीय विदेश मंत्री महोदया द्वारा पुरस्कार की राशि दी गई।

❖❖ आवश्यक जानकारी ❖❖

सम्मेलन का मुख्य विषय : " हिंदी जगत : विस्तार एवं सम्भावनाए "

सम्मेलन का आयोजन स्थल : "लाल परेड मैदान", भोपाल

आलेख प्रस्तुति : शैक्षिक सत्रों के दौरान आलेख प्रस्तुति के समानांतर सत्र निरंतर आधार पर चलेंगे। आलेख प्रस्तुत करने के लिए इच्छुक प्रतिभागी इसकी सूचना पंजीकरण के समय दे दें।

सम्मेलन के दौरान इच्छुक सामान्य प्रतिभागियों द्वारा आलेखों का प्रस्तुतीकरण

विश्व हिंदी सम्मेलन हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार और विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा करने हेतु महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराते हैं। विश्व हिंदी सम्मेलन सामान्यत: एक मुख्य विषय को आधार बनाकर चर्चा करते हैं और तद्नुसार उसके अनुरूप विभिन्न शैक्षिक सत्रों के लिए विषयों का चयन किया जाता है। पूर्व के विश्व हिंदी सम्मेलनों में इच्छुक प्रतिभागियों ने चिन्हित विषयों पर अपने मौलिक आलेख प्रस्तुत किए हैं, जो मुख्य शैक्षिक सत्रों के समानांतर रखे जाते हैं।

10वें विश्व हिंदी सम्मेलन का मुख्य विषय "हिंदी जगत : विस्तार एवं संभावनाएं" रखा गया है। मुख्य विषय के अनुरूप विभिन्न विषयों पर शैक्षिक सत्र निर्धारित किए गए हैं, जिनके विषय निम्नानुसार हैं: -

- विदेश नीति में हिंदी
- प्रशासन में हिंदी
- विज्ञान में हिंदी
- सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी
- विधि एवं न्यायालय में हिंदी
- बाल साहित्य में हिंदी
- गैर हिंदी राज्यों में हिंदी
- हिंदी पत्रकारिता में भाषा की शुद्धता
- गिरमिटिया देशों में हिंदी
- विदेश में हिंदी अध्यापन का कार्य- समस्याएं एवं समाधान
- विदेश में बसे हिंदी प्रेमियों के लिए भारत में हिंदी अध्ययन की सुविधा
- देश और विदेश में प्रकाशन- समस्याएं एवं समाधान

विगत विश्व हिंदी सम्मलनों की भांति 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के पंजीकृत प्रतिभागी उपरोक्त विषयों में से अपनी रुचि के विषय पर आलेख भेज सकते हैं। ये आलेख सम्मेलन आयोजकों को aalekh-10whc@mea.gov.in पर ईमेल द्वारा 21 जुलाई, 2015 तक अवश्य भेज दिए जाएं।

आलेख तैयार करते समय कृपया निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा जाए :

शब्द सीमा	:	1000
समय सीमा	:	7 मिनट
फॉन्ट	:	मंगल

प्राप्त आलेखों का चयन पाठ की गुणवत्ता एवं सम्मेलन की गरिमा के आधार पर किया जाएगा। चयनित आलेखों के लेखकों को सम्मेलन के दौरान अपना आलेख प्रस्तुत करने का यथासंभव अवसर दिया जाएगा। इस संबंध में सम्मेलन आयोजकों का निर्णय अंतिम होगा।

सम्मेलन के लिए पंजीकरण : 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने हेतु सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों और आमंत्रित अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है और यह केवल ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से होनी है।

प्रतिभागियों को अपना ब्यौरा ऑनलाइन भरना है और www.vishwahindisammelan.gov.in पर लॉग इन करके अपने फोटोग्राफ तथा हस्ताक्षर भी अपलोड करने हैं। प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण प्रपत्र की हार्ड कॉपी भेजने का प्रावधान खत्म कर दिया गया है। अतः प्रतिभागियों को सलाह दी जाती है कि एक बार पंजीकरण प्रपत्र पूरा भर लेने पर उसकी हार्ड कॉपी आयोजकों को न भेजें।

पंजीकरण शुल्क : विभिन्न समितियों, उप समितियों के सदस्यों, सम्मानित किए जाने वाले विद्वानों, सरकारी मीडिया, विदेश मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों तथा अन्य सरकारों द्वारा नामित सरकारी प्रतिनिधिमंडल, संसदीय/राज्य विधान मंडलों के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों और आमंत्रित विदेशी अतिथियो को छोड़ कर सभी प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण शुल्क देय होगा।

विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण शुल्क निम्नानुसार है, जो वापस नहीं किया जाएगा।

पंजीकरण की अंतिम तिथि : शुक्रवार, 21 अगस्त, 2015

पंजीकरण : 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन में भाग लेने हेतु सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों और आमंत्रित अतिथियों सहित सभी प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण अनिवार्य है और यह केवल ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से होनी है।

प्रतिभागियों को अपना ब्यौरा ऑनलाइन भरना है और www.vishwahindisammelan.gov.in पर लॉग इन करके अपने फोटोग्राफ तथा हस्ताक्षर भी अपलोड करने हैं। प्रतिभागियों द्वारा पंजीकरण प्रपत्र की हार्ड कॉपी भेजने का प्रावधान खत्म कर दिया गया है। अतः प्रतिभागियों को सलाह दी जाती है कि एक बार पंजीकरण प्रपत्र पूरा भर लेने पर उसकी हार्ड कॉपी आयोजकों को न भेजें। विभिन्न समितियों, उप समितियों के सदस्यों, सम्मानित किए जाने वाले विद्वानों, सरकारी मीडिया, विदेश मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों तथा अन्य सरकारों द्वारा नामित सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों, संसदीय/राज्य विधान मंडलों के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों और आमंत्रित विदेशी अतिथियों को छोड़ कर सभी प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण शुल्क देय होगा।

विभिन्न श्रेणियों के प्रतिभागियों के लिए पंजीकरण शुल्क निम्नानुसार है, जो वापस नहीं किया जाएगा :

सामान्य प्रतिभागी

भारतीयों के लिए 5,000 रुपये
विदेशियों के लिए 100 अमरीकी डॉलर

विश्वविद्यालय के छात्र

भारतीयों के लिए 1,000 रुपये
विदेशियों के लिए 25 अमरीकी डॉलर

आमंत्रित अतिथि/वक्ता/सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के लिए पंजीकरण निःशुल्क है; हालांकि आमंत्रित अतिथि/वक्ता/सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के लिए भी ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण शुल्क के अलावे डेबिट/क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान करने के लिए संबंधित बैंकों द्वारा लागू सेवा/प्रोसेसिंग शुल्क और सेवा कर का भुगतान भी प्रतिभागियों द्वारा किया जाएगा।

पंजीकरण शुल्क में सम्मेलन की अवधि के दौरान भोजन (सम्मेलन स्थल पर दोपहर एवं रात्रि का भोजन) और प्रथम आगमन तथा समापन के बाद प्रस्थान की स्थिति में आवास से एयरपोर्ट/रेलवे स्टेशन तक परिवहन की व्यवस्था शामिल है। आगमन पर प्रतिभागी को एक सम्मेलन किट भी उपलब्ध कराया जाएगा जो सम्मेलन स्थल पर स्थापित विशेष काउंटरों से 09 सितम्बर से प्राप्त किया जा सकता है।

छात्र वर्ग में पंजीकरण : छात्र वर्ग में पंजीकरण करने वाले प्रतिभागियों के लिए अनिवार्य है कि वे भोपाल में अपने महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र साथ लाएँ। सम्मेलन में सहभागिता के लिए विद्यार्थी पहचान पत्र अनिवार्य है ।

स्थानीय परिवहन

सम्मेलन स्थल पर आने-जाने के लिए पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए शटल बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इस प्रयोजन हेतु शहर में गाड़ी पर चढ़ने और उतरने से संबंधित चिन्हित स्थान होंगे।

कनेक्टिविटी

- **वायु सेवा-** दिल्ली, इंदौर और मुम्बई से भोपाल के लिये नियमित वायु सेवा है।
- **रेल सेवा-** भोपाल दिल्ली-चेन्नई मेन लाईन पर है। इटारसी और झाँसी के रास्ते दिल्ली जाने वाली प्रमुख गाड़ियाँ भोपाल से होकर गुजरती है।
- **सड़क मार्ग-** भोपाल से इंदौर, माण्डू, उज्जैन, खजुराहो, पचमढ़ी, ग्वालियर, सांची, जबलपुर और शिवपुरी के बीच नियमित बस सेवाएं है।

पुस्तक विमोचन : प्रदर्शनी स्थल पर पुस्तक विमोचन के लिए एक स्थायी मंच होगा। अपनी पुस्तक का विमोचन करवाने के इच्छुक प्रतिभागी सम्मेलन के आयोजकों को (विदेश मंत्रालय) समय से सूचित करें और पुस्तक की एक प्रति भी भेजे।

मौसम : भोपाल में सितंबर का महीना अधिकतम 33° डिग्री सेल्सियस (औसत) से लेकर न्यूनतम 21° (औसत) डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सुहावना रहेगा। *भोपाल जुलाई से सितम्बर अवधि के दौरान दक्षिण-पश्चिमी मानसून वर्षा से प्रभावित रहता है।*

पर्यटक स्थल : मध्य प्रदेश में पर्यटक स्थल के लिए मुख्य वेबसाइट में लिंक उपलब्ध हैं।

सुरक्षा बैज : सभी पंजीकृत प्रतिभागियों को सुरक्षा बैज उपलब्ध कराया जाएगा, जिसे सुरक्षा कारणों से उन्हें पहनना होगा। सम्मेलन स्थल पर स्थापित विशेष काउंटरों पर बैज उपलब्ध रहेंगे।

पुस्तक लोकार्पण : प्रदर्शनी स्थल पर पुस्तक लोकार्पण के लिए एक स्थायी मंच होगा। अपनी पुस्तक का लोकार्पण करवाने के इच्छुक प्रतिभागी सम्मेलन स्थल पर नियंत्रण कक्ष से सम्पर्क कर सकते हैं। 10वें विश्व हिंदी सम्मेलन के दौरान लोकार्पण की जाने वाली पुस्तकों की एक प्रति संक्षिप्त विवरण के साथ 21 अगस्त, 2015 तक आयोजकों के पास नई दिल्ली में नियंत्रण कक्ष को भेजना आवश्यक होगा। आयोजक पुस्तक लोकार्पण के लिए यथासंभव आवश्यक प्रबंध करेंगे।

सम्मेलन स्थल पर सहयोग : प्रतिभागियों को सूचना उपलब्ध कराने के लिए सम्मेलन स्थल पर निम्नलिखित सहायता डेस्क/नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएंगे :

- प्रतिभागी सूचना केंद्र (आगमन पर प्रतिभागी बैग/ सुरक्षा बैज/ सूचना पुस्तिका के लिए)
- मीडिया केंद्र
- मीडिया नियंत्रण कक्ष
- सहायता डेस्क

इन केंद्रो पर संपर्क किए जाने वाले व्यक्तियों की जानकारी सम्मेलन स्थल पर अलग से प्रतिभागियों को दी जाएगी।

कार्यक्रम : कार्यक्रम का विवरण और शैक्षिक सत्रों के विभिन्न पैनलों की सूचना अलग से दी जाएगी।

भोजन : पंजीकृत प्रतिभागियों को सम्मेलन की अवधि के दौरान भोजन (सम्मेलन स्थल पर दोपहर एवं रात्रि) उपलब्ध कराया जाएगा।

आवास : सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को छोड़कर अन्य प्रतिभागी अपने रहने की व्यवस्था भोपाल के किसी भी होटल में स्वयं कर सकते हैं। सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के लिए आवास की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जाएगी । भोपाल में विभिन्न प्रकार की आवास व्यवस्था उपलब्ध है।

सुविधा के लिए, भोपाल स्थित होटलों की सूची सूचना पुस्तिका के अंत में दी जा रही है। प्रतिभागी मध्य प्रदेश पर्यटन प्रभाग के माध्यम से आवास बुक करा सकते हैं । मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के वेबपोर्टल लिंक के माध्यम से बुकिंग कराई जा सकती है।

सलाह दी जाती है कि पंजीकरण के लिए दिए गए निर्देश के अनुसार प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत एकाउंट में लॉग इन करते हुए बुक कराए गए आवास का विवरण आयोजकों को उपलब्ध कराएं। यदि किसी प्रतिभागी को आवास के संबंध में किसी प्रकार की मदद/सलाह की आवश्यकता हो तो वे मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग, भोपाल से सम्पर्क कर सकते हैं।

विभिन्न समितियों, उप समितियों के सदस्यों, सम्मानित किए जाने वाले विद्वानों, सरकारी मीडिया, विदेश मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों तथा अन्य सरकारों द्वारा नामित सरकारी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों, संसदीय/राज्य विधान मंडलों के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों और आमंत्रित विदेशी अतिथियों के लिए आवास की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जाएगी। इसके लिए, प्रतिभागी को विशिष्ट यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से आयोजकों को अपने यात्रा विवरण के बारे में ऑनलाइन बताना होगा। इस श्रेणी के सभी प्रतिभागियों को अपने-अपने संस्वीकृति आदेश की एक-एक प्रति नई दिल्ली स्थित नियंत्रण कक्ष को भेजना होगा ताकि उनके लिए ये व्यवस्थाएं की जा सकें। आयोजक एयरपोर्ट से होटल आदि तक उनके लिए वाहन की भी व्यवस्था करेंगे।

जो प्रतिभागी निजी रूप से अथवा सार्वजनिक उपक्रमों, विश्वविद्यालयों, अन्य संगठनों के प्रतिनिधि के रूप में भाग ले रहे हैं, उनसे अनुरोध है कि वे होटल में अपने ठहरने के लिए संबंधित होटल से सम्पर्क कर स्वयं बुकिंग करा लें और उसकी सूचना विशिष्ट यूजर आईडी और पासवर्ड के माध्यम से आयोजकों को ऑनलाइन दे दें ताकि वे एयरपोर्ट से होटल और वापस एयरपोर्ट तक के लिए वाहन की व्यवस्था कर सकें।

भोपाल स्थित होटलों की सूची

होटल का नाम (श्रेणी)	स्थान	सम्पर्क सूत्र	एयरपोर्ट से दूरी	रेलवे स्टेशन से दूरी
वेलकम हेरिटेज नूर-अ-सबा पैलेस (हेरिटेज)	वीआईपी रोड	दूरभाषः 0755 – 4223333 फैक्स: 0755 - 4227777 www.noorussabahpalace.com	7 कि.मी	7 कि.मी
जहाँ नुमा पैलेस होटेल प्रा. लिमिटेड (हेरिटेज)	शामला हिल्स	दूरभाषः 0755 - 4235100, 2661100 फैक्स: 0755 - 2661577 www.jnph.in	14 कि.मी	5.8 कि.मी
कोर्ट्यार्ड बाई मैरियट (4 सितारा)	अरेरा हिल्स	दूरभाषः: 0755-3096444 ext. 6236 http://www.marriott.com/hotel-search/india.hotels.courtyard/	17 कि.मी	5.6 कि.मी
दि रेजिडेंसी होटेल (4 सितारा)	एम.पी नगर	दूरभाषः: 0755 - 2556001-04 फैक्स:0755 - 2557637 www.hotel-residency.com	17 कि.मी	5.8 कि.मी
होटेल लेक व्यू अशोक (3 सितारा)	शामला हिल्स	दूरभाषः: 0755- 2660090-95 फैक्स: 0755 - 2660090 www.lakeviewashok.com	13.3 कि.मी	5 कि.मी
पलाश रेजिडेंसी (3 सितारा)	टी.टी नगर	दूरभाषः: 0755 - 2553006, 2553066, 2553076 फैक्स:0755 - 2577441 www.mptourism.com	13.7 कि.मी	5.5 कि.मी
होटेल आमेर पैलेस (3 सितारा)	महाराणा प्रताप नगर	दूरभाषः:0755-3918110-14, 4272110 फैक्स: 0755-2675308 http://www.hotelamerpalace.com	17.3 कि.मी	6 कि.मी
होटेल निसारगा (3 सितारा)	महाराणा प्रताप नगर	दूरभाषः:0755 - 4272701, 2555701-2-3, 2558948-49 http://www.hotelnisarga.com	17.5 कि.मी	5.1 कि.मी
रनजित्स लेक व्यू (3 सितारा)	श्यामला हिल्स	दूरभाषः:0755 - 2660600, 2660060 फैक्स:0755 - 2660321 www.ranjitlakeview.com	13.3 कि.मी	5 कि.मी
होटेल रनजीत (बजट)	हामिदिया रोड	दूरभाषः:0755-2740500, 2740501/2 www.ranjeethotels.com	11.9 कि.मी	1.8 कि.मी
क्वालिटिस मोटेल शिराज (बजट)	शिवाजी नगर	दूरभाषः:0755 - 4032900 http://www.motelshiraz.com/	17 कि.मी	6.3 कि.मी
होटेल मयूर (बजट)	बेरासिया रोड	दूरभाषः: 0755 - 4254555	12 कि.मी	2.5 कि.मी
होटेल राजहंस रिजेंसी (बजट)	महाराणा प्रताप नगर	दूरभाषः:0755 - 4033450 /1 /2 /3 http://hotelrajhansbhopal.com	18 कि.मी	6.5 कि.मी

होटेल श्रीमाया (बजट)	हामिदिया रोड	दूरभाष::0755 - 2747401 / 02 फैक्स:0755 - 2747405	12 कि.मी	1.8 कि.मी
होटेल तुलसी इक्जोटिक (बजट)	महाराणा प्रताप नगर	दूरभाष::0755 - 4218331 - 3 www.tulsiexotic.com	18 कि.मी	6.5 कि.मी
आइवी सूट्स (बजट)	शामला हिल्स	दूरभाष::0755- 4235508 , 4234753 http://www.ivysuites.in/	14 कि.मी	6.1 कि.मी

इसके अतिरिक्त, ठहरने के लिए कई निजी अतिथि गृह भी उपलब्ध हैं।

यात्रा / स्थानीय परिवहन

परिवहन संबंधी व्यवस्था : आयोजक आगमन एवं प्रस्थान के समय एयरपोर्ट और होटल के बीच पूल शटल की व्यवस्था करेंगे। वे एयरपोर्ट/रेलवे स्टेशन पर आने वाले प्रतिभागियों की सुविधा के लिए स्वागत डेस्क की व्यवस्था करने का भी प्रयास करेंगे। जिन प्रतिभागियों को स्वयं आने-जाने में किसी विशेष प्रकार की मदद की आवश्यकता हो तो वे तत्संबंधी सूचना आयोजकों को समय से दें ताकि यथासंभव सहायता उपलब्ध कराई जा सके। जो प्रतिभागी सम्मेलन स्थल से दूर किसी स्थान पर अपने ठहरने की व्यवस्था करते हैं, उन्हें अपने लिए आने-जाने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।

सम्मेलन स्थल पर आने-जाने हेतु पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए शटल बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। सम्मेलन की अवधि के दौरान शहर में बस पर चढ़ने और उतरने के लिए निर्धारित स्थान होंगे।

वीजा परामर्श

यदि भारत आने के लिए वीज़ा की आवश्यकता हो, तो उसे प्राप्त करने की जिम्मेदारी विदेशी प्रतिभागी की होगी। इस संबंध में उन्हें सलाह दी जाती है कि वे समय रहते संबंधित भारतीय दूतावास/कोंसलावास से स्वयं संपर्क करें। भारतीय दूतावास/कोंसलावास में वीज़ा आवेदन जमा करते समय प्रतिभागी का सम्मेलन के लिए पंजीकरण होना आवश्यक है।

अफगानिस्तान, चीन, ईरान, इराक, पाकिस्तान, सूडान के प्रतिभागी तथा पाकिस्तानी मूल के विदेशी और देशविहीन व्यक्ति कम से कम 60 दिन पहले अवश्य ही वीजा के लिए ऑन लाइन आवेदन करें। इस प्रकार के वीजाओं का जारी होना गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अनुमोदन के अधीन होगा। समय पर जमा न किए गए आवेदन अस्वीकृत किए जा सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया - https://indianvisaonline.gov.in/ को देखें।

संपर्क

सम्मेलन से संबंधित जानकारियों के लिए, महत्वपूर्ण संपर्क अधिकारियों के विवरण निम्नानुसार है:

नई दिल्ली, भारत में	
श्री मृदुल कुमार, संयुक्त सचिव (खाड़ी, हिन्दी व संस्कृत) कमरा सं. 80, साउथ ब्लाक, विदेश मंत्रालय, दूरभाषः 011-23013161, फैक्सः 011-23794138 ई-मेलःjshindi@mea.gov.in	नई दिल्ली में सम्मेलन सचिवालय कमरा सं. 3056, जवाहर लाल नेहरू भवन, (राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने) विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली दूरभाषः 011- 49015296 & 49015297 फैक्सः 011- 49015124 ई-मेलःcrdelhi-10whc@mea.gov.in प्रभारी: श्री राजेश वैष्णव, संयुक्त सचिव (ईजी एवं आई टी)
भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत में	
श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव संस्कृति आयुक्त, दूरभाषः 0755-2770598 फैक्सः 0755-2770597 ई-मेलःvhs2015mp@gmail.com	भोपाल में सम्मेलन सचिवालय मीडिया केंद्र, माखन लाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय बी 38, विकास भवन, प्रेस परिसर, एमपी नगर, ज़ोन 1, भोपाल दूरभाष/फैक्सः 0755-2554910, फैक्सः 0755-2553441 ई-मेलःcrbhopal-10whc@mea.gov.in प्रभारी: श्री अशोक कुमार, निदेशक, विदेश मंत्रालय श्री पंकज मिश्रा, सहायक रजिस्ट्रार
विशेष जानकारियों के लिए, निम्न पतों पर ई-मेल भेज सकते है:	
• सम्मेलन आलेख प्रस्तुत करने के लिए - aalekh-10whc@mea.gov.in	
• सम्मेलन के लिए प्रतिनिधियों को नामित करने के लिए- nomination-10whc@mea.gov.in	
• लॉजिस्टिक से सम्बंधित विशिष्ट जानकारी के लिए- logistics-10whc@mea.gov.in	

❖❖ आधिकारिक समितियां ❖❖

- परामर्शदाता मंडल
- प्रबंधन समिति
- कार्यक्रम संचालन समिति

☼❑ परामर्शदाता मंडल ❑☼

परामर्शदाता मंडल -

अध्यक्ष: श्रीमती सुषमा स्वराज, माननीय विदेश मंत्री
उपाध्यक्ष: जनरल डॉ. वी के सिंह (सेवानिवृत्त), माननीय विदेश राज्य मंत्री

सदस्य -

1.	श्री केसरी नाथ त्रिपाठी, माननीय राज्यपाल, पश्चिम बंगाल
2.	श्रीमती मृदुला सिन्हा, माननीय राज्यपाल, गोवा
3.	श्री शिवराज सिंह चौहान, माननीय मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश
4.	श्री सुरेंद्र पटवा, माननीय संस्कृति मंत्री एवं पर्यटन राज्य मंत्री, मध्य प्रदेश
5.	डॉ. कमल किशोर गोयनका, उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
6.	डॉ. पद्माकर पांडेय, प्रधान मंत्री, नागरी प्रचारिणी सभा
7.	प्रो. गिरीश्वर मिश्र, कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
8.	श्री विभूति मिश्र, प्रधान मंत्री, हिंदी साहित्य सम्मेलन
9.	श्री मनोहर पुरी, वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक
10.	डॉ. नरेंद्र कोहली, वरिष्ठ लेखक
11.	श्री अनिल वाधवा, सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय
12.	श्री सतीश चन्द मेहता, महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
13.	श्री विकास स्वरूप, संयुक्त सचिव (एक्स पी), विदेश मंत्रालय
14.	श्री मृदुल कुमार, संयुक्त सचिव (हिंदी व संस्कृत), विदेश मंत्रालय – सदस्य सचिव

✡✡ प्रबंधन समिति ✡✡

अध्यक्ष : जनरल डॉ. वी के सिंह (सेवानिवृत्त)
माननीय विदेश राज्य मंत्री

उपाध्यक्ष : श्री अनिल माधव दवे, सांसद (राज्य सभा)

सदस्य

श्री उमाशंकर गुप्ता, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार

श्री सुरेंद्र पटवा, माननीय संस्कृति मंत्री एवं पर्यटन राज्य मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार

श्री आलोक संजर, सांसद (लोक सभा), भोपाल, मध्य प्रदेश

श्री आलोक शर्मा, महापौर, भोपाल

प्रो. बी के कुठियाला, कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश

1.	श्री ए. के. मित्तल, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, रेल मंत्रालय
2.	श्री अनिल वाधवा, सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय
3.	श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, सचिव (राजभाषा विभाग)
4.	श्री जवाहर सरकार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी ई ओ), प्रसार भारती
5.	श्री सतीश चंद मेहता, महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली
6.	श्रीमती मुक्ता तोमर, अपर सचिव (प्रशासन), विदेश मंत्रालय
7.	श्री रोहित नंदन, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एयर इंडिया लिमिटेड
8.	श्री विकास स्वरूप, संयुक्त सचिव (विदेश प्रचार/एक्स पी), विदेश मंत्रालय
9.	श्री जयदीप मज़ूमदार, संयुक्त सचिव (सीओपी), विदेश मंत्रालय
10.	श्री मुक्तेश परदेशी, संयुक्त सचिव (पीएसपी) व सीपीओ, विदेश मंत्रालय
11.	श्री मृदुल कुमार, संयुक्त सचिव (हिंदी व संस्कृत), विदेश मंत्रालय
12.	श्री सिबि जॉर्ज, संयुक्त सचिव (प्रशासन), विदेश मंत्रालय
13.	श्रीमती अरविंद मंजीत सिंह, संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय
14.	श्री सुखबीर सिंह संधू, संयुक्त सचिव (शिक्षा विभाग), मानव संसाधन विकास मंत्रालय
15.	श्री मिहिर कुमार सिंह, संयुक्त सचिव, सूचना व प्रसारण मंत्रालय

16.	श्रीमती वाणी राव, संयुक्त सचिव, प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय
17.	श्रीमती सुनीति शर्मा, उप सचिव (हिंदी), विदेश मंत्रालय –- (सदस्य-सचिव)
18.	श्री आनंद कुमार, उप निदेशक (रा.भा.), राजस्व विभाग
	मध्य प्रदेश शासन
19.	श्री मनोज श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश
20.	श्री के. के. सिंह, प्रमुख सचिव, उच्चतर शिक्षा, मध्य प्रदेश
21.	श्री इकबाल सिंह बैन्स, प्रधान सचिव, मुख्य मंत्री, मध्य प्रदेश
22.	श्रीमती वीरा राणा, प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार
23.	श्री सुरेन्द्र सिंह, पुलिस महानिदेशक, भोपाल, मध्य प्रदेश
24.	श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव, संस्कृति आयुक्त, मध्य प्रदेश

◻◻ कार्यक्रम संचालन समिति ◻◻

1	**अध्यक्ष**	**श्रीमती सुषमा स्वराज, माननीय विदेश मंत्री**
2	उपाध्यक्ष	जनरल डॉ. वी के सिंह (सेवानिवृत्त), माननीय विदेश राज्य मंत्री
3	उपाध्यक्ष	डॉ. किरण रिजिजू, माननीय गृह राज्य मंत्री
4	सचिव	श्री अनिल वाधवा, सचिव (पूर्व), विदेश मंत्रालय
5	संयुक्त सचिव	श्री मृदुल कुमार, संयुक्त सचिव (हिंदी व संस्कृत), विदेश मंत्रालय
	सदस्य	
6	श्री भर्तृहरि मेहताब	सांसद, लोक सभा
7	प्रो0 सौगत राय	सांसद, लोक सभा
8	श्री राममोहन नायडू किंजारपू	सांसद, लोक सभा
9	डॉ. बुरा नरसैया गौड	सांसद, लोक सभा
10	श्री एस. एस. आहलूवालिया	सांसद, लोक सभा
11	श्री अनंत कुमार हेगड़े	सांसद, लोक सभा
12	श्री शत्रुघ्न सिन्हा	सांसद, लोक सभा
13	श्री अश्विनी कुमार चोपड़ा	सांसद, लोक सभा
14	श्रीमती किरण खेर	सांसद, लोक सभा
15	श्री किरीट सोलंकी	सांसद, लोक सभा
16	श्री चिराग पासवान	सांसद, लोक सभा
17	श्री निनोंग एरिंग	सांसद, लोक सभा
18	श्री रमेश पोखरियाल निशंक	सांसद, लोक सभा
19	श्री शांता कुमार	सांसद, लोक सभा
20	श्री आलोक संजर	सांसद, लोक सभा
21	श्री तरुण विजय	सांसद, राज्य सभा
22	डॉ.चन्दन मित्रा	सांसद, राज्य सभा

23	श्री राजीव शुक्ला	सांसद, राज्य सभा
24	प्रो. रामगोपाल यादव	सांसद, राज्य सभा
25	श्री के.सी. त्यागी	सांसद, राज्य सभा
26	श्री सतीश चंद्र मिश्रा	सांसद, राज्य सभा
27	श्री सीताराम येचुरी	सांसद, राज्य सभा
28	श्री संजय राऊत	सांसद, राज्य सभा
29	श्री नरेश गुजराल	सांसद, राज्य सभा
30	डॉ. वी. मैत्रेयन	सांसद, राज्य सभा
31	श्री अनिल माधव दवे	सांसद, राज्य सभा
32	श्री विजय कुमार मल्होत्रा	पूर्व सांसद
33	प्रो. आई.जी. सनदी	पूर्व सांसद
34	श्री जाबिर हुसैन	पूर्व सांसद
35	डॉ. यरलगडा लक्ष्मी प्रसाद	पूर्व सांसद
36	श्री उमाशंकर गुप्ता	माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार व अध्यक्ष, हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
37	श्री सुरेंद्र पटवा	माननीय संस्कृति मंत्री एवं पर्यटन राज्य मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार
38	श्री कमल किशोर गोयनका	उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा
39	श्री मनोहर पुरी	वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक
40	प्रो. बी के कुठियाला	कुलपति, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश
41	प्रो. मोहनलाल छीपा	कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल
42	प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
43	श्री प्रसून जोशी	
44	श्री अशोक चक्रधर	
45	डॉ. के मोहानन पिल्लई	

46	श्री दिनकर कुमार	
47	श्री गजेन्द्र सोलंकी	
48	श्री अतुल कोठारी	सचिव, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
49	श्री ओम थान्वी	संपादक
50	श्री एस एन आसिफ	संपादक
51	श्री राजीव मोहन गुप्ता	दैनिक जागरण
52	श्री संजय पंकज	
53	श्री प्रभात	
54	श्री बीरेन्द्र यादव	
55	श्री बलदेव भाई शर्मा	अध्यक्ष, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास
56	श्री भरत अग्रवाल	
57	डॉ. हरिसुमन बिष्ट	सचिव, हिंदी अकादमी, दिल्ली
58	श्रीमती चित्रा मुदगल	
59	श्री सतीश चंद मेहता	महानिदेशक, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद
60	श्री सुखबीर सिंह संधु	संयुक्त सचिव (शिक्षा विभाग), मानव संसाधन विकास मंत्रालय
61	श्री विकास स्वरूप	संयुक्त सचिव (विदेश प्रचार), विदेश मंत्रालय
62	श्री जयदीप मज़ूमदार	संयुक्त सचिव (सीओपी), विदेश मंत्रालय
63	श्री मनोज श्रीवास्तव	प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग, मध्य प्रदेश
64	श्रीमती वीरा राणा	प्रमुख सचिव, पर्यटन विभाग, मध्य प्रदेश सरकार
65	श्री अजातशत्रु श्रीवास्तव	आयुक्त, संस्कृति, भोपाल
66	श्री राजेन्द्र शर्मा	प्रबंध निदेशक, "स्वदेश"

☞ **नोट** : ***सम्मेलन के लिए एक वेबसाइट www.vishwahindisammelan.gov.in तैयार की गई है और सम्मेलन से संबंधित सभी सूचनाओं के लिए इसे देखा जा सकता है।***

❖ ❖ ❖